PUNJAB

Administration: The State Archives is manned by Additional Director who is assisted by other technical and non-technical hands.

Three schemes viz. (i) Maintenance and Preservation of State Records at Divisional Level, (ii) Setting up of the Archives Museum of Documents connected with the Freedom Movement and (iii) Publication of Monographs on the History of Punjab sent to the Government for the development of Archives under the Fifth Five Year Plan were approved and funds provided in the budget for the year 1975-76.

Budget: During the period a sum of Rs. 3,38,003=00 was spent out of a budget provision of Rs. 3,20,000=00 on the non-plan side. In the plan budget, a sum of Rs. 4,129=00 was spent out of a budget provision of Rs. 1,00,000=00. For 1976-77 a budget provision of Rs. 3,52,000=00 was made on the non-plan side and a sum of Rs. 1,00,000=00 on the plan side.

Building: As reported last year the Punjab State Archives is housed partly at Baradari Gardens, Palace, Patiala and partly in a part of Patiala Fort due to paucity of space in the main building. Both the buildings are Government property.

Record Management: 5,004 records of the erstwhile Patiala State Finance Department were appraised, out of which twenty per cent marked for retention and eighty per cent for weeding. No retention schedule was followed.

Research and Reference: 53 research scholars availed themselves of the research facilities. 50 requisitions from different government departments were dealt with. 90 queries from private individuals/agencies concerning research topics were attended to and 145 files, 391 manuscripts, 1,488 books and 89 newspapers were issued to the research scholars for their use.

Reference Media: 2,937 files of erstwhile state records and 1,036 documents of Bhandari Collections were indexed, 43 manuscripts catalogued, inventory of 10 farmans prepared, 3,980 files listed, 415 files entered in the relevant registers and 5,094 files and 60 manuscripts chronologically arranged.

Publication Programme: A pamphlet entitled "Vir Haqiqat Rai" was published by this Directorate.

Preservation of Records: 1,99,617 sheets of records were flattened, 3,691 sheets repaired with tissue paper, 8 documents with chiffon, 1,160 with acetate foil. These apart 44,624 sheets were guarded, 1,499 volumes bound, 4,926 sheets pasted, 4,635 sheets stitched and 2,486 volumes fumigated.

Photo-Duplication: The State Archives has no microfilming unit of its own but photo copies of records and documents were issued on demand with the help of camera/docustat printer.

Library: 7 books were acquired and 367 accessioned. At present there is no proposal for the expansion of the library.

Exhibition: The following exhibitions were arranged by the Directorate to create archives consciousness among the people:

(a) On 14th May, 1975 at Mata Gujri College Fatehgarh Sahib in connection with the celebration of Baba Banda Bahadur Day.

(b) On 20th July, 1975 at the Punjabi University Campus at Patiala in connection with the Guru Tegh Bahadur Tri-centenary Celebrations.

(c) On 2nd October, 1975 at the Rajpura Colony, Patiala in connection with the Vir Haqiqat Rai Celebration.

राजस्थान

प्रशासन :-

राजस्थान राज्य अभिलेखागार विभाग की स्थापना 1955-56 में हुई थी तथा वर्तमान व्यवस्था का सूत्रपात 1963 ई० में हुआ ।

आलोच्य वर्ष में श्री नितेन्द्र कुमार जैन, निदेशक, राजस्थान राज्य अभिलेखागार बीकानेर के पद पर कार्य करते रहे, तथा सहायक निदेशक के पदों पर श्री बृज लाल तथा श्री गिरजा शंकर शर्मा पदासीन रहे हैं ।

इस विभाग का मुख्यालय बीकानेर में स्थित है तथा पांच मध्यवर्ती शाखायें यथावत अलवर, जयपुर, जोधपुर, कोटा तथा उदयपुर में है ।

बजट प्रावधान:-

1975-76 में 7, 04, 000 रुपये नोन-प्लान बजट में स्वीकृत किये गये, लेकिन वास्तविक खर्च - 7, 06,000 रुपये का प्रावधान था, लेकिन वास्तविक खर्च 1, 18,000 रुपये हुआ ।

भवन :-

इस विभाग का मुख्यालय, बीकानेर में पहले से ही एक बहुत ही अच्छा भवन है लेकिन अभिलेखों की बहुतायत को देखते हुये तथा अभिलेखों की ओर अधिक सुरक्षा देने के लिये एक भूतल गृह तथा उस पर संदर्भ पुस्तकालय और शोध कक्ष आदि के लिये गत वर्ष जो निर्माण कार्य शुरु किया गया था वह लगभग पूर्ण हो चुका है ।

मध्यवर्ती शाखाओं के लिये भी पर्याप्त स्थान की कमी को देखते हुये जयपुर के लिये अतिरिक्त भवन व्यवस्था के लिये एक लाख रुपये की राशि का प्रावधान किया गया है ।

अभिलेखों का मूल्यांकन (एप्रेजल):-

इस वर्ष में बीकानेर राज्य के विभिन्न रजिस्टरों की महत्वपूर्ण श्रेणियों की जाँच की गई । अभिलेख विज्ञान की परम्परा के अनुसार विभिन्न प्रक्रियाओं के द्वारा इन रजिस्टरों पर कार्य किया गया जिनमें 11,529 छंटाई, 8, 122 का वर्गीकरण 4, 89 को क्रम वार करना , 7, 926 का सूचीकरण तथा लेबल लगाना , 18,987 रजिस्टरों कर जांच एवं सर्वेक्षण तथा 4, 775 रजिस्टरों को थोड़ा महत्व का समझ कर उचित स्थान पर व्यवस्थित किया गया ।

शोध एवं संदर्भ सेवा :-

विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों से आये 70 शोध अध्येताओं ने इस सुविधा का लाभ उठाया और अपने शोध कार्य से संबंधित 3, 668 पृष्टों के अवतरण प्राप्त किये ।

इस वर्ष में राज्य के विभिन्न विभागों से 427 तथा निजी व्यक्तियों एवं संस्थानों से 4,00 अधियाचनायें प्राप्त हुई जिनकी पूर्ती की गई ।

संदर्भ स्रोत एवं प्रकाशन योजना :-

इस विभाग में उपलब्ध अभिलेखों की संदर्भ स्रोत विविरणिका तैयार करने का अर्थ भी पर्याप्त प्रगति पर रहा । विभाग में उपलब्ध अभिलेखों की संक्षिप्त निदेशिका तैयार कर छपवाई गई तथा विवरणात्मक सूची खतूत महाराजगान (राजस्थानी), खतूत महाराजगान (पर्शियन), मराठों से संबंधित जरीते, इंदौर के जरीते, जनानी तहरीर तथा ग्वालियर के जरीतों पर विवरणात्मक सूचियाँ तैयार करने की प्रक्रिया चालू रही है ।

अभिलेखों का परिरक्षण :-

इस वर्ष में लगभग 43,000 से ही अधिक महत्वपूर्ण प्रलेखों की मरम्मत की गई जिसमें से 7,432 की फ्लोटनिंग व प्रेस, 1,507 का पूर्णलेपन, 1,014 का हेण्ड लेमिनेशन, 4,520 की सिलाई, 899 की साधारण मरम्मत, 1065 की रक्षा पटी, 1,730 की शिफ्टन मरम्मत तथा 496 पुस्तकों एवं 486 रजिस्टरों और बहियों आदि की जिल्द बँधी तथा सिलाई का कार्य भी किया गया ।

अणुचित्रण कार्य :-

इस विभाग के अणुचित्रण शाखा ने जोधपुर हमीकात वही के 13,875 प्रमासन (एक्सपोजर) तथा 5,075 प्रमासन (एक्सपोजर) माइक्रोफिल्म के तथा 305 पाना प्रिंट (जिरोक्स) के प्रमासन निजि व्यक्तियों एवं संस्थानों के लिये तैयार किये ।

पुस्तकालय खण्ड :-

इस विभाग के पुस्तकालय ने भी इस वर्ग में अपने दैनिक पुस्तकालय के कार्य के अतिरिक्त 2,218 पुस्तकों का वर्गीकरण, 708 पुस्तकों का केटेलाग (सूची पत्र) तथा 425 पुस्तकों की नवीन सूची जो कि इतिहास, युद्ध, जनगणना तथा विभिन्न विषयों की नवीन क्रय की हुई पुस्तकें थी, का कार्य किया ।

अन्य :-

इस वर्ष का सबसे अधिक महत्वपूर्ण कार्य भारतीय ऐतिहासिक अभिलेख आयोग के 44 वें अधिवेशन का बीकानेर में होना रहा है । इस अधिवेशन में देश के लगभग सभी अभिलेख निदेशकों तथा विश्वविद्यालयों के इतिहास विभाग के विभागाध्यक्षों एवं केन्द्रीय सरकार एवं राष्ट्र के विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया । इस अधिवेशन का उद्घाटन श्री राम किशोर जी व्यास, अध्यक्ष राजस्थान विधान सभा ने तथा स्वागत भाषण श्री जोत सिंह जी राठौड़ शिक्षा मंत्री ने किया । इस अधिवेशन में प्रो० नरुल हसन, शिक्षा मंत्री भारत सरकार के नहीं पहुँच सकने के कारण, उनका अध्यक्षीय भाषण डा० एस० एन० प्रसाद, निदेशक, राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली जो कि आयोग के सचिव हैं, के द्वारा पढ़ा गया । इस अवसर पर विभिन्न प्रदेशों से आये हुये बहुमूल्य ऐतिहासिक अभिलेखों की प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री फारुक हसन, राज्य शिक्षा मंत्री द्वारा किया गया ।

राष्ट्रीय अभिलेखागार समिति की 28 वीं बैठक दिनांक 23 फरवरी 1976 को हुई जिसकी अध्यक्षता भी डा0 एस0 एन0 प्रसाद, निदेशक, राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली ने की । इसमें अभिलेखों की विभिन्न समस्याओं के संबंध में सामान्य तथ्यों पर विचार विमर्श किया गया और राष्ट्रीय पुंजिका के अधिकारियों की बैठक श्री जे0 के0 जैन, निदेशक, राजस्थान राज्य अभिलेखागार, बीकानेर की अध्यक्षता में हुई और निजि अभिलेख एवं अन्य संबंधित समस्याओं पर विचार किया गया ।

राष्ट्रीय अभिलेखागार के एक वर्ष की प्रशिक्षण योजना के अन्तर्गत उन्होंने अपने यहाँ के डिप्लोमा इन आरकाईव्स कीपिंग के प्रशिक्षणार्थियों का एक दल एक सप्ताह के प्रशिक्षण के लिये राजस्थान राज्य अभिलेखागार, बीकानेर में भेजा गया ।